ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 5

प्रीतेश जोशी

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दमन



ipca
A dose of life

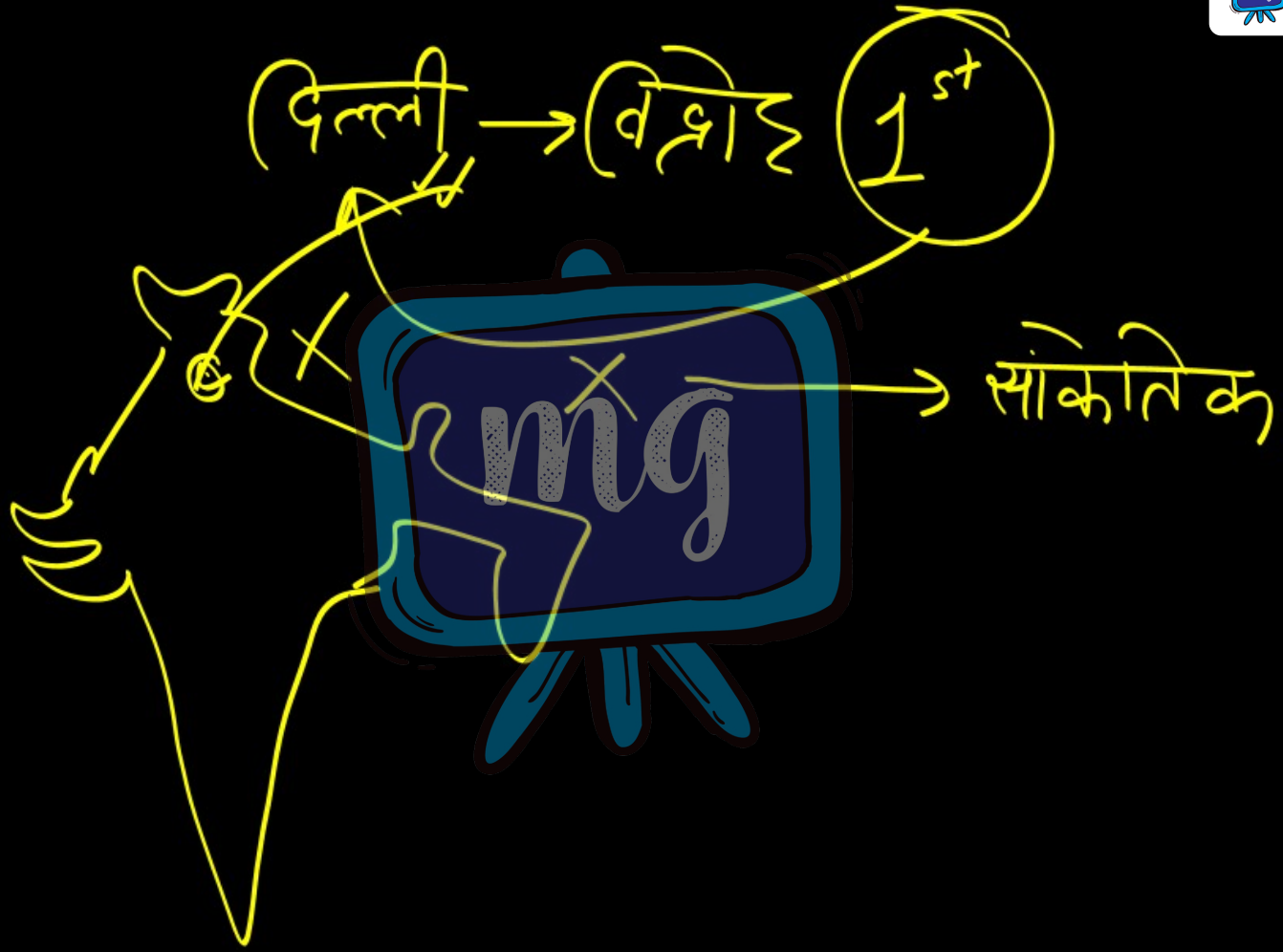
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दमन

- उत्तर भारत को शांत करने के लिए कानून → मार्शल लॉ
  - सैन्य प्रशासन
  - सामान्य अंग्रेज़ को अधिकार मिल गए = हिन्दुस्तानियों पर मुकदमा → सज़ा ए मौत

- कानून + नए टुकड़े
  - ↓
  - विद्रोह को कुचलना शुरू

- सबसे पहले
  - (1) दिल्ली
  - क्यों : सांकेतिक महत्व


दिल्ली → विद्रोह
1st
सोकातेक

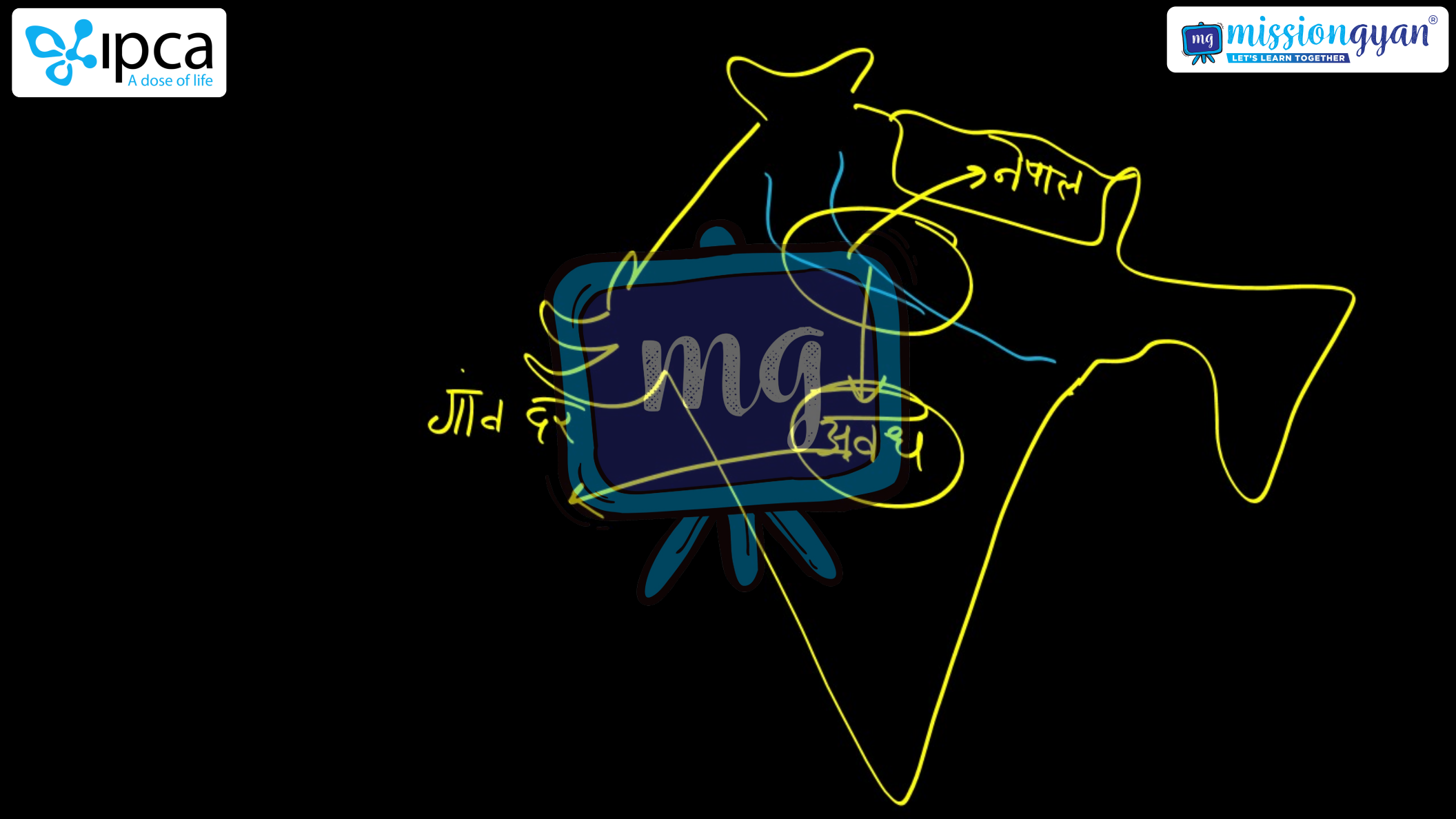
पंजाब → दिल्ली ← कलकत्ता

② गंगा जमुना दोआब

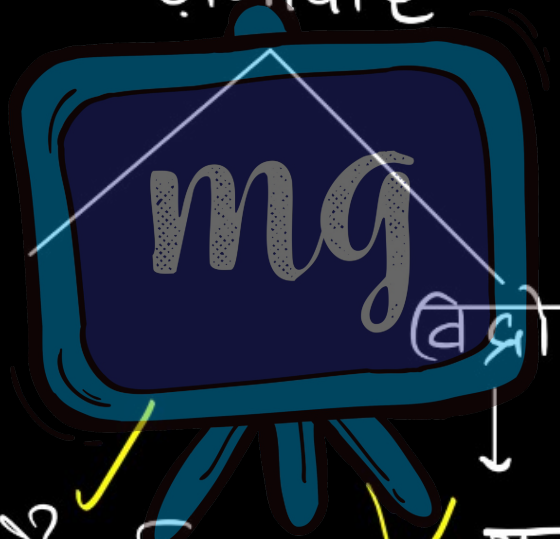
- गाँव दर गाँव
- अंग्रेज़ अधिकारी - अनुमान

3/4 वयस्क पुरुष
क्रांतिकारी बन

- 1858 - नियंत्रण


नेपाल
जीव दर
अवध

ज़मींदार को कैसे लुभाया ?



- जागीरें लौटाई
- ईनाम ✓

सजा

- नेपाल भाग गये

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दमन

- इस विद्रोह को कुचलना अंग्रेजों के लिए आसान नहीं था।
- ब्रिटेन से सैनिक टुकड़ियां मंगवाई गयी।
- विद्रोह का दमन करने के लिए अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।
- समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया।
- कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी – विद्रोही की केवल एक ही सजा हो सकती थी। सजा – ए –मौत।
- सितम्बर 1857 में दिल्ली पर अंग्रेजों ने वापस कब्जा जमा लिया।

विद्रोह की छवियां

- विद्रोह की छवि क्या थी, इस बारे में जानने के लिए हमारे पास बहुत कम दस्तावेज मौजूद हैं। केवल विद्रोहियों की कुछ घोषणाऐं, अधिसूचनाऐं तथा नेताओं के कुछ पत्र हैं।
- इस बारे में सरकारी ब्यौरो की कमी नहीं है, लेकिन ये औपनिवेशिक सरकार द्वारा लिखे गये ब्यौरे हैं।
- इस विद्रोह के बारे में कई चित्र, पोस्टर, कार्टून उपलब्ध हैं।

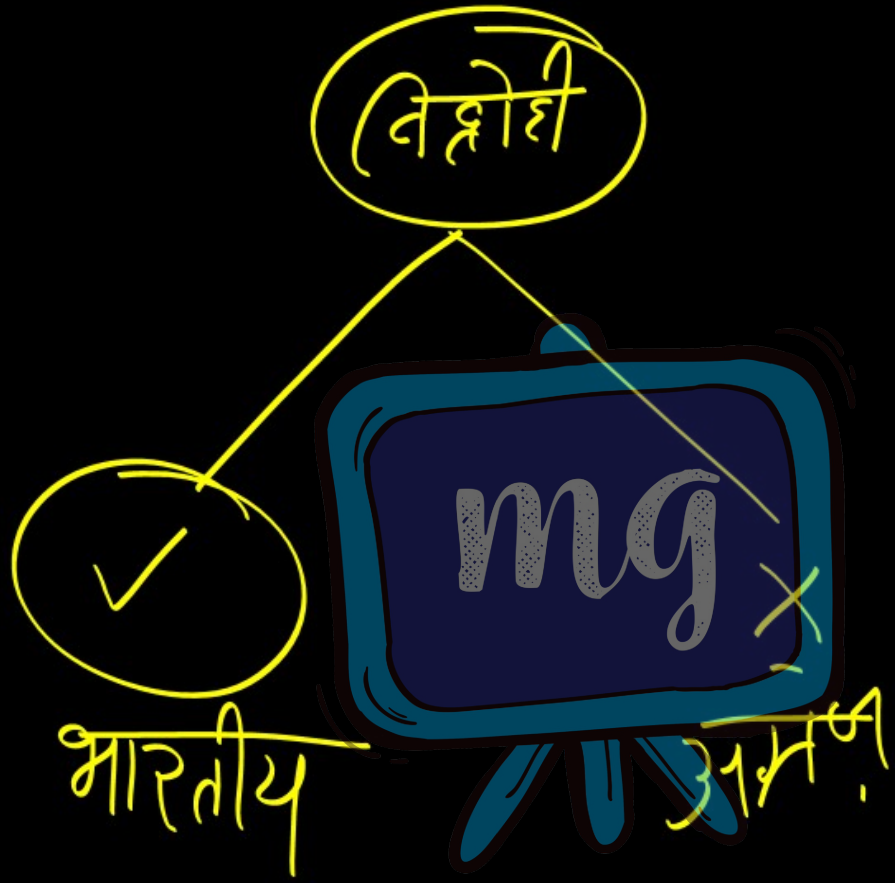
ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. अंग्रेज़ो ने विद्रोह का दमन किस प्रकार ?

Q. विद्रोह में ज़मींदारों की भूमिका को स्पष्ट करें ?




निष्द्रोही
mg
भारतीय
आदमी

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. रक्षकों का अभिनंदन : अंग्रेजों द्वारा बनायी गयी कुछ तस्वीरों में अंग्रेजों को बचाने और विद्रोहियों को कुचलने वाले अंग्रेज नायकों का गुणगान किया गया है।



"द रिलीफ़ ऑफ़ लखनऊ" चित्रकार टॉमस जोन्स बार्कर, 1859

ipca
A dose of life

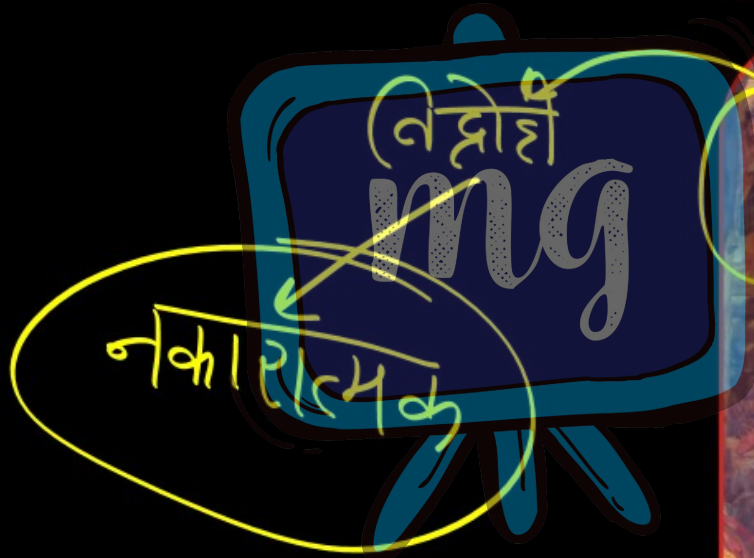
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चित्र में लखनऊ में विद्राहियों के दमन के बाद का दृश्य दिखाया गया है।
- लखनऊ का रेजीडेंट हेनरी लॉरेंस मारा गया।
- दमन – सितम्बर में आउट्रम और हेनरी हेवलॉक।
- कमाण्डर कॉलिन कैम्पबेल।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज औरतें तथा ब्रिटेन की प्रतिष्ठा :-





"इन मेमोरियम", चित्रकार जोज़ेफ़ नोएल पेटन, 1859

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कानपुर में सिपाहियों से अपनी रक्षा करती मिस व्हीलर।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कैनिंग
वेलिजली
डलहाउजी
कॉर्निवॉलिस
क्लाइव

प्रतिशोध और सबक :-

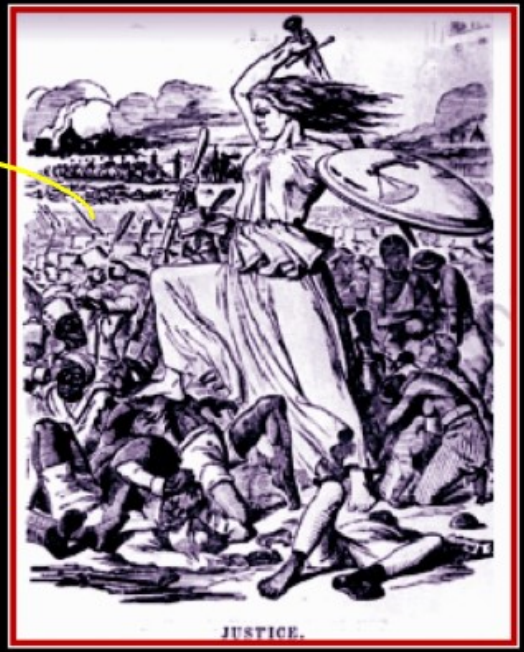
- जैसे जैसे ब्रिटेन में गुस्से और सकते का माहौल बनता गया, बदले की मांग बुलंद होती गयी। विद्रोह के बारे में प्रकाशित चित्रों एवं खबरों ने ऐसा माहौल रच दिया।

mg

क्लाइव

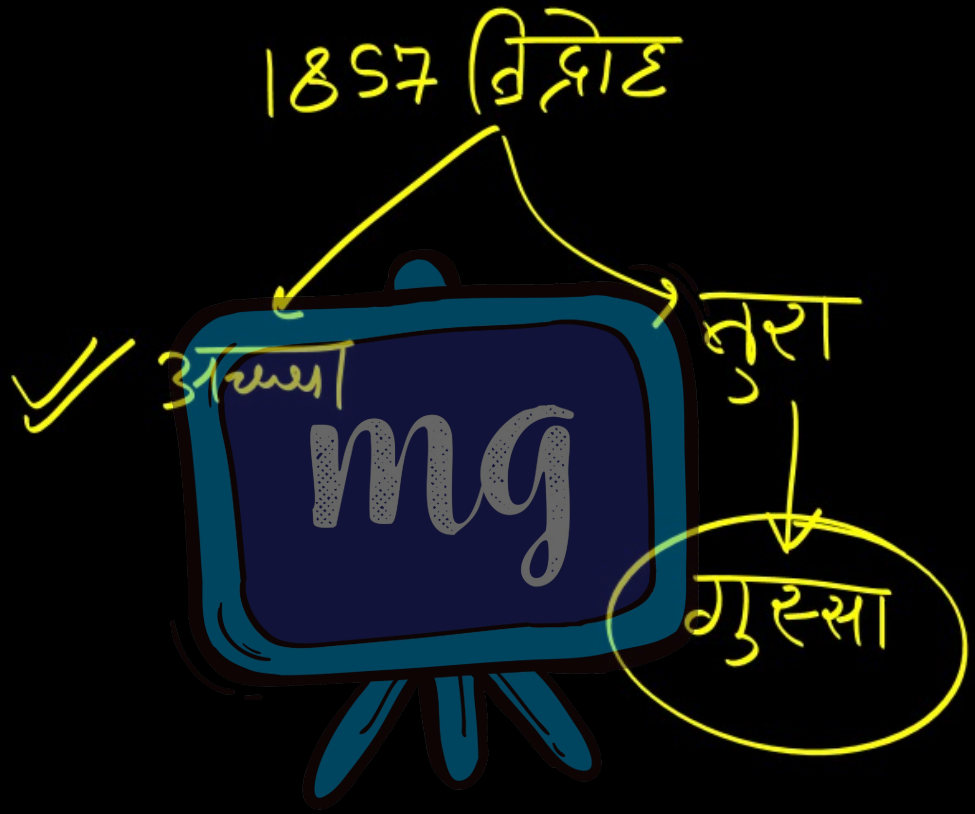
जस्टिस (न्याय), पन्च, 12 सितंबर 1857

चित्र के नीचे पट्टी पर लिखा है–"कानपुर में हुए भीषण जनसंहार के समाचार ने समूचे इंग्लैंड में प्रतिशोध की गहरी चाह और भयानक अपमान का भाव पैदा कर दिया है।"



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ब्रिटेन

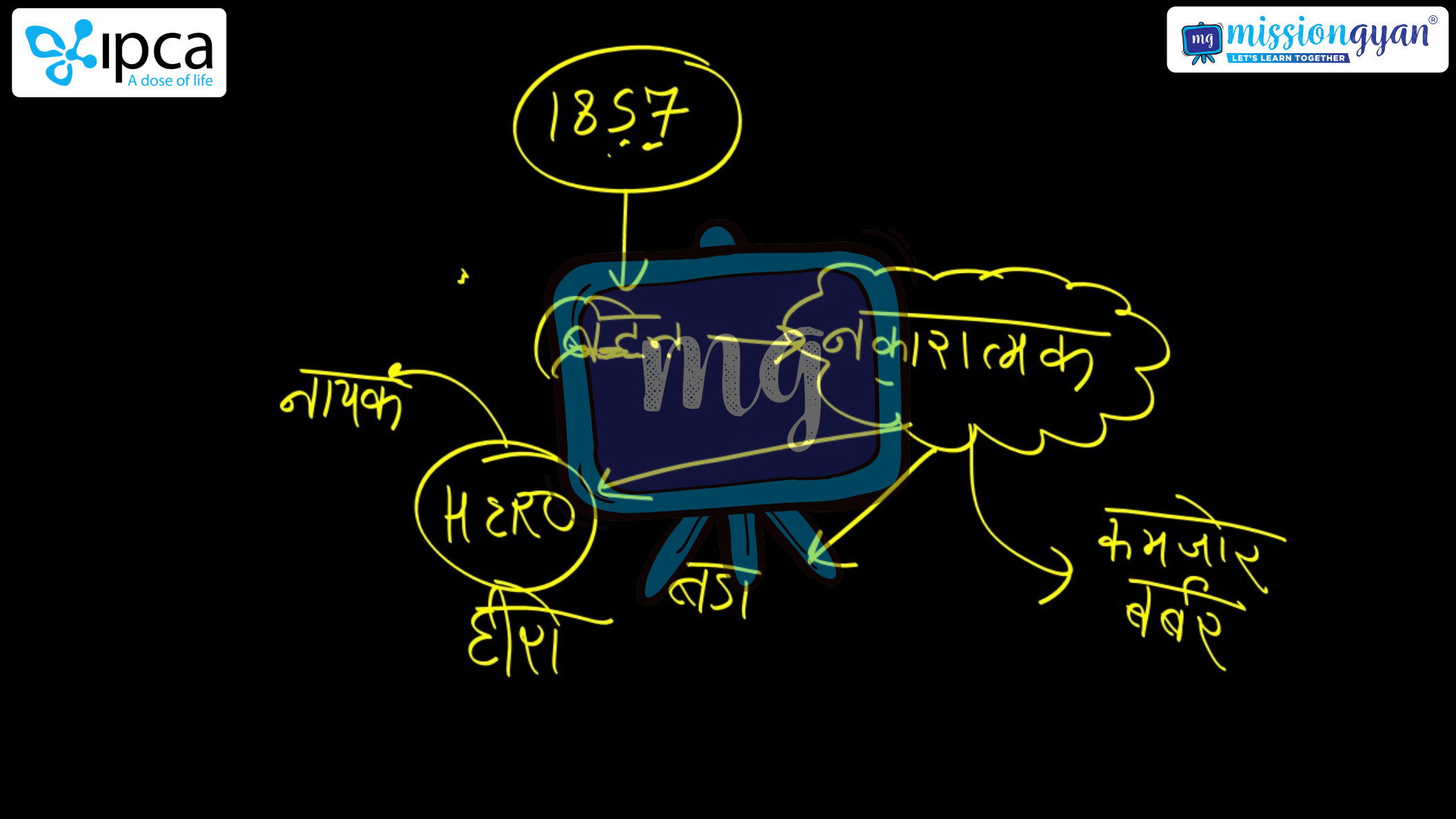


चित्र के नीचे पट्टी पर लिखा है- "बंगाल टाइगर से ब्रिटिश शेर का प्रतिशोध", पन्च, 1857

दहशत का प्रदर्शन :-

दया के लिए कोई जगह नहीं :-




1857
नायक
Hero
दीपि
बड़ा
नकारात्मक
कमजोर
बर्बर

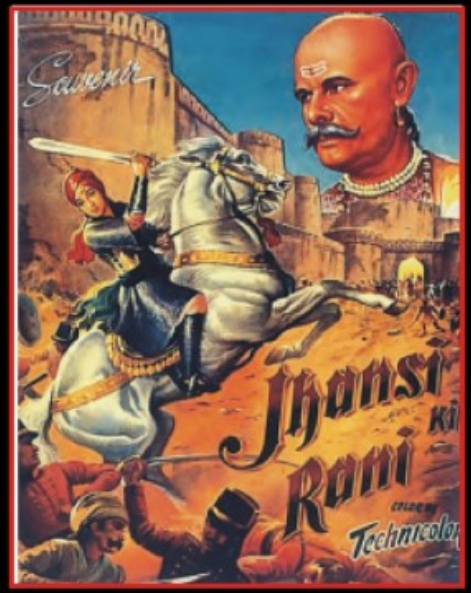
ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

* लक्ष्मी बाई
* तात्या टोपे
* नाना साहेब

राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना :-

ब्रिटिश समाचार पत्रों में छपे चित्रों को देखकर वहां की जनता विद्रोहियों को कुचल डालने की आवाज उठा रही थी दूसरी तरफ भारतीय राष्ट्रवादी कल्पना को निर्धारित करने में मदद कर रहे थे।



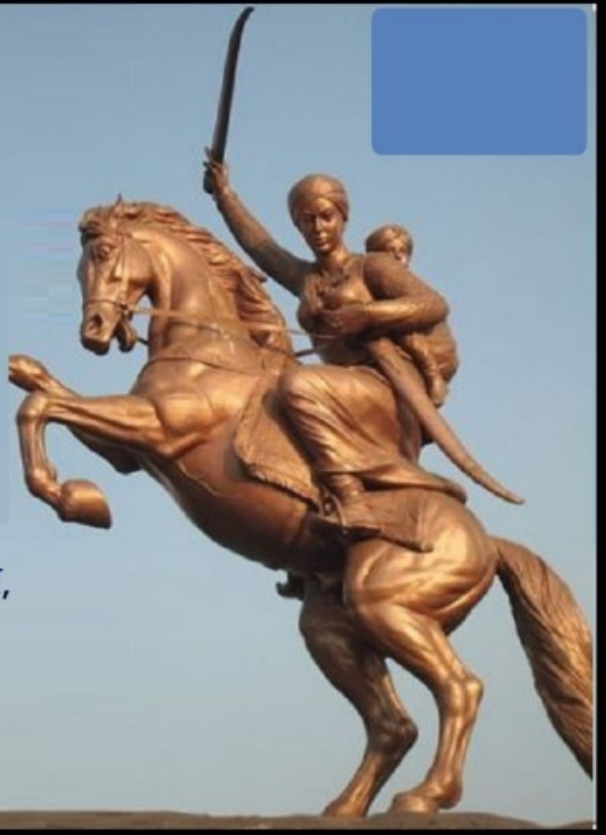
फ़िल्मों और पोस्टरों ने रानी लक्ष्मीबाई की छवि को एक मर्दाना योद्धा के रूप में स्थापित करने में मदद की।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार,
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध–व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवार।
महाराष्टर–कुल–देवी उसकी भी आराध्य भवानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।



ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

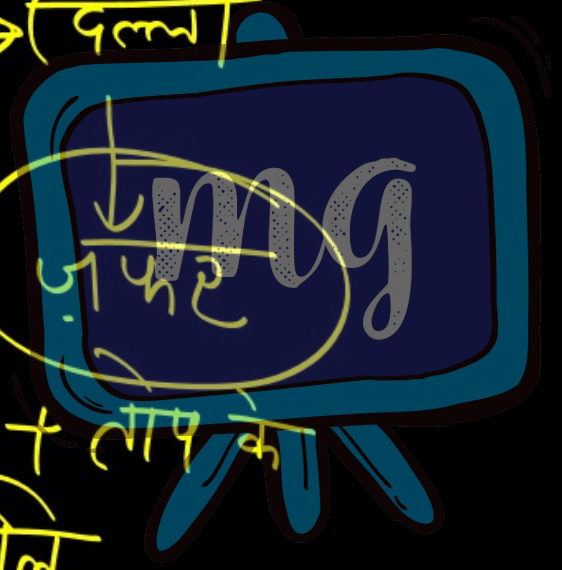
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

शुरुआत

मेरठ → दिल्ली

संचार

ग्राम पंचायत



बिगुल + ताप की गोली

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर भारत

दिल्ली → ज़फ़र + बस्त रखा

लखनऊ → बेगम हजरत +

बिहार → कुंवर

कानपुर → नाना साहेब

नसीराबाद

आगरा

मेरठ

mg

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




mg

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अत्च

1801 → सहायक संधि

→ बाजार

→ कॉफी

→ नवाब → वाजिद अली शाह ?

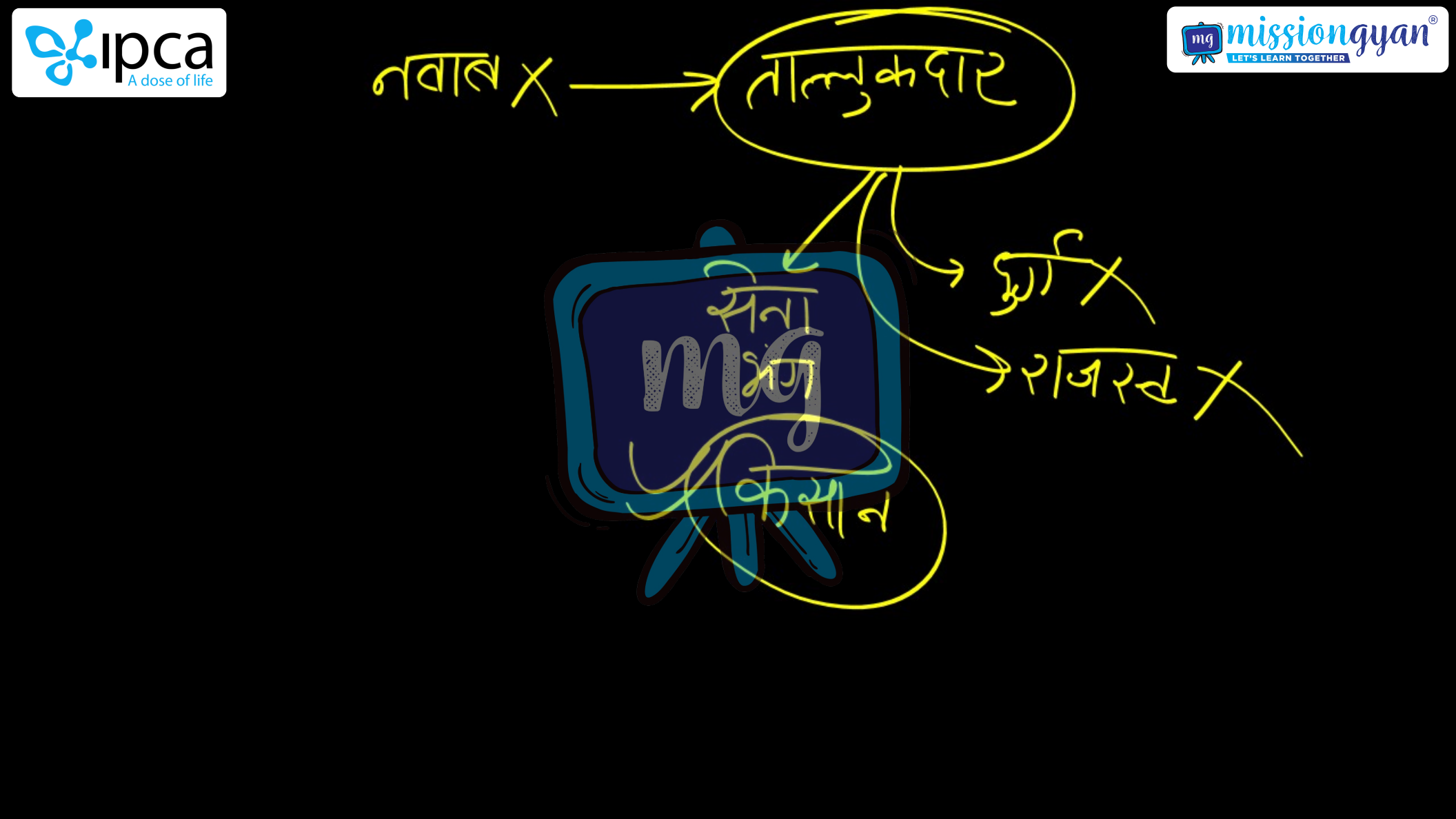
↓

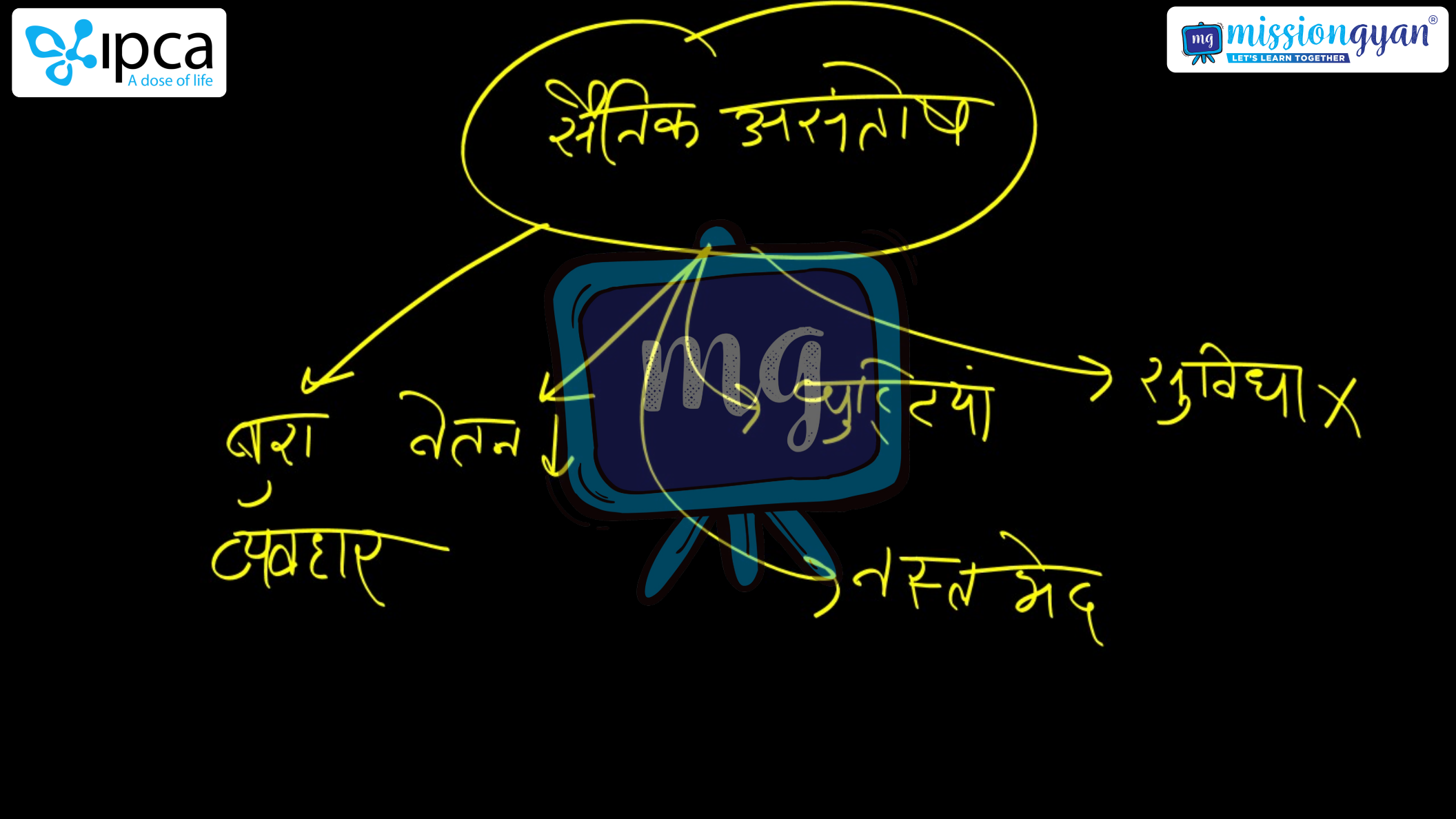
फ्रेंचाइसन



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




सैनिक असंतोष
बुरा व्यवहार
वेतन
सुविधाएं
सुविधा x
जनसंहार